Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 2

सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र

भाग - 5

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



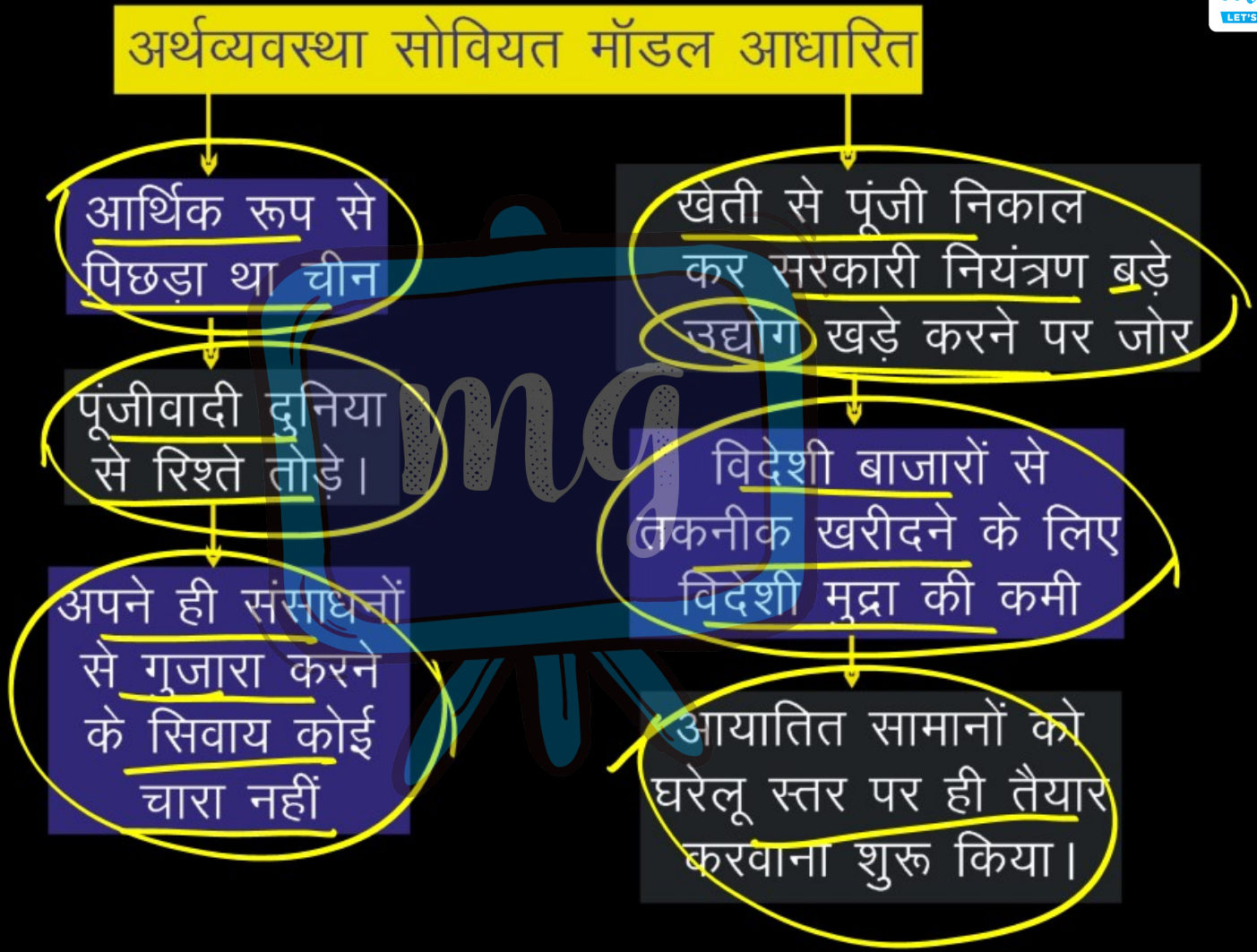
- 1978 के बाद से जारी चीन की आर्थिक सफलता को एक महाशक्ति के रूप में इसके उभरने के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- माना जाता है कि इस रफ्तार से चलते हुए 2040 तक वह दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति, अमरीका से भी आगे निकल जायेगा।
- आर्थिक स्तर पर अपने पड़ौसी मुल्कों से जुड़ाव के चलते चीन पूर्व एशिया के विकास का इंजन जैसा बना हुआ है, इस कारण क्षेत्रीय मामलों में उसका प्रभाव बहुत बढ़ गया है।
- इसकी विशाल आबादी, बड़ा भू-भाग, संसाधन, क्षेत्रीय अवस्थिति और राजनैतिक प्रभाव इस तेज आर्थिक वृद्धि के साथ मिलकर चीन के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं।

थोड़ा पहले :-

- 1949 में माओ के नेतृत्व में हुई साम्यवादी क्रांति के बाद चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

परिणाम :- औद्योगिक अर्थव्यवस्था खड़ा करने का आधार बनाने के लिए सारे संसाधनों का इस्तेमाल।

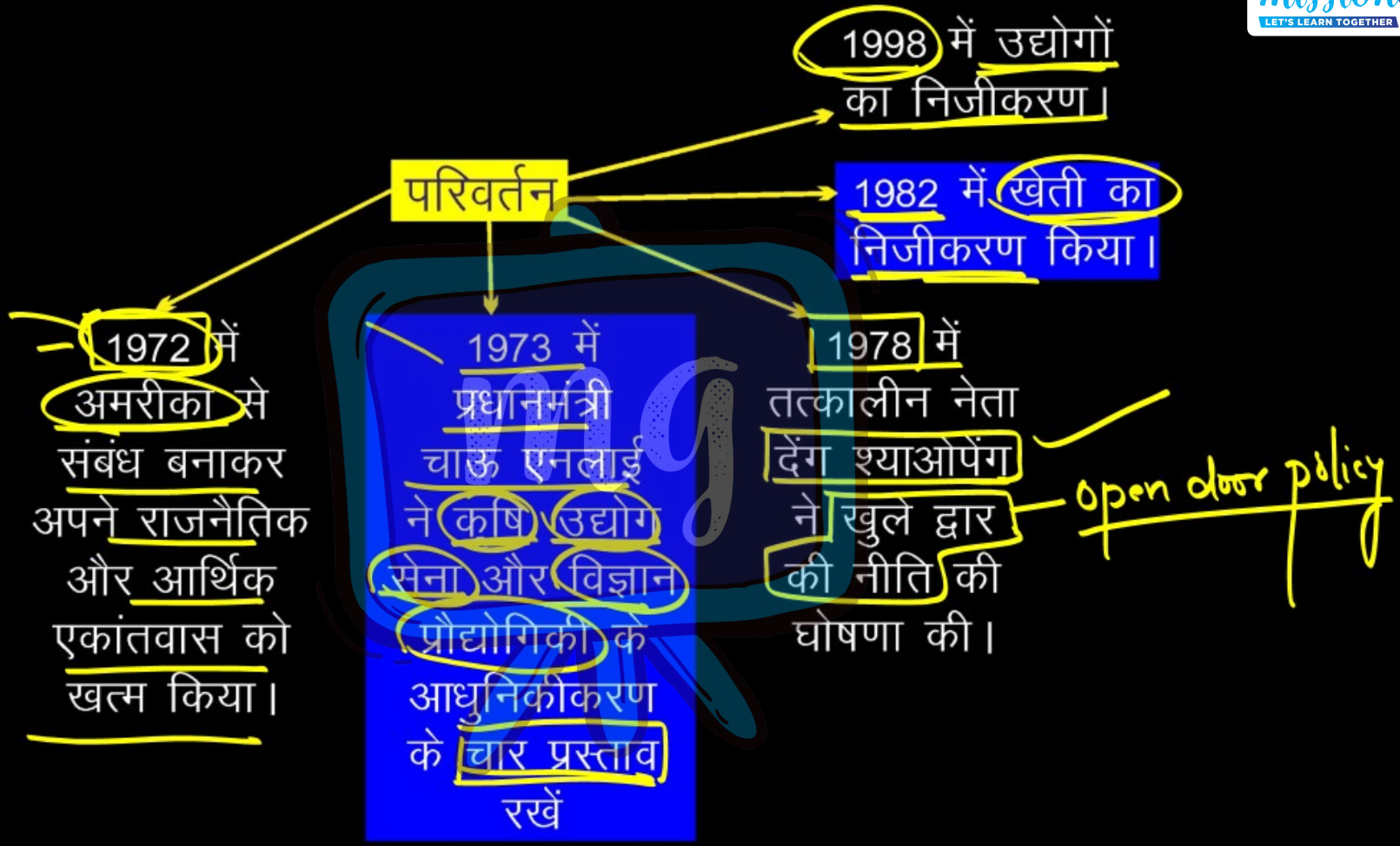
- सभी नागरिकों को रोजगार और सामाजिक कल्याण योजनाओं का लाभ देने के दायरे में लाया गया।
- अपने नागरिकों को शिक्षित करने और उन्हें स्वास्थ्य सुविधाऐं मुहैया करवाने में चीन विकसित देशों से आगे निकल गया।

समस्या :- जनसंख्या में 2-3 फीसदी वार्षिक वृद्धि।

- खेती की पैदावार उद्योगों की पूरी जरूरत लायक अधिशेष नहीं दे पाती थी।
- औद्योगिक उत्पादन पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ रहा था। विदेशी व्यापार न के बराबर और प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिणाम :-

- कृषि उत्पादों तथा ग्रामीण आय में उल्लेखनीय वृद्धि।
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था से निजी बचत बढ़ी और इससे ग्रामीण उद्योगों की तादाद तेजी से बढ़ी।
- उद्योग और कृषि दोनों में ही चीन की वृद्धि दर तेज रही।
- व्यापार के नये कानून तथा विशेष आर्थिक क्षेत्रों के निर्माण से विदेश व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- चीन पूरे विश्व में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिए सबसे आकर्षक देश बनकर उभरा।
- चीन के पास अब विदेशी मुद्रा का विशाल भण्डार है, इसके दम पर चीन अब दूसरे देशों में निवेश कर रहा है।
- 2001 में चीन विश्व व्यापार संगठन में शामिल हो गया।

WTO

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

